वर्ष 38 अंक 109
पृष्ठ 18+4=22
लखनऊ, मंगलवार
7 फरवरी 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

पुतिन को हत्यारा कहने पर भड़के ट्रंप 17

अन्नाद्रमुक की सियासत पर आर अश्विन ने कसा तंज 1

कार्यक्रम | गन्ना अनुसंधान संस्थान में गन्ने की उपज और चीनी का उत्पादन बढ़ाने पर हुआ मंथन

आय बढ़ाने में गन्ना एवं चीनी उद्योग अहम

जागरण संवाददाता, लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में गन्ना शोध विकास, चीनी मिलों की इंटरफेस मीटिंग व विचार-मंथन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने बीते वर्ष गन्ने की अच्छी पैदावार के लिए चीनी मिलों और किसानों को बधाई दी। प्रधानमंत्री द्वारा अपेक्षित वर्ष 2020 तक किसानों की आय दोगुना करने के लक्ष्य के बारे में उन्होंने बताया कि इसमें गन्ना एवं चीनी उद्योग महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि बड़े स्तर पर बीज उत्पादन कार्यक्रम का संचालन किया जाए। साथ ही पुरानी किस्मों को खेतों पर रोक लगाई जाए। उन्होंने गन्ना आयुक्त से अपील की कि भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान को प्रदेश सरकार "ट्रेनिंग-हब" के रूप में ले। इससे जिम्मेदार अधिकारी तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त कर अधिक किसानों तक उसका लाभ पहुंचाने में सहयोग करें।

गन्ना आयुक्त विपिन कुमार द्विवेदी ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यक्रमों और 2016-17 के लिए निर्धारित लक्ष्य पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि 2016-17 के लिए गन्ना उपज का लक्ष्य 70 टन/हेक्टेयर और चीनी परता 10.45 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसे प्राप्त करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने शुद्ध बीज गन्ना के उत्पादन और वितरण पर विशेष जोर दिया। इसके लिए उचित बीज उपचार तकनीक अपनाने का सुझाव दिया।

बैठक में प्रदेश के 118 चीनी मिलों के प्रतिनिधि, अतिरिक्त गन्ना आयुक्त, संयुक्त गन्ना आयुक्त, उप गन्ना आयुक्त, जिला गन्ना अधिकारी, उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद् व शाहजहांपुर के वैज्ञानिक मौजूद थे।

गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग • जागरण

कार्यक्रम में बोलते अतिरिक्त गन्ना आयुक्त

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
मंगलवार, 07 फरवरी 2017, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com

किसानों की आय बढ़ा रहे गन्ना-चीनी उद्योग

परिचर्चा

लखनऊ | निज संवाददाता

विकसित गन्ना किस्मों को लम्बे समय तक खेतों में अच्छा उत्पादन देने योग्य बनाया जाएगा। पेड़ी गन्ना उत्पादन में सुधार लाया जाएगा ताकि गन्ने के साथ सहफसल को बढ़ावा दिया जा सके।

यह बातें सोमवार को रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित गन्ना शोध विकास तथा चीनी मिलों की इंटरफेस मीटिंग एवं परिचर्चा में कानपुर के चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुशील सोलोमन ने कहीं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2020 तक किसानों के आय को दोगुना करने के लक्ष्य के बारे में कहा कि इस दिशा में गन्ना एवं चीनी उद्योग एक महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने गन्ना आयुक्त से अपील की कि भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान को प्रदेश सरकार 'ट्रेनिंग-हब' के रूप में ले। गन्ना विकास से जुड़े अधिकारियों तथा कर्मचारियों एवं किसानों को यहां प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वो ज्यादा से ज्यादा किसानों को जागरूक करें।

गन्ना अनुसंधान संस्थान में गन्ने की पैदावार बढ़ाने पर विशेषज्ञों ने चर्चा की • हिन्दुस्तान

गन्ना एवं चीनी आयुक्त विपिन कुमार द्विवेदी ने कहा कि 2016-17 के लिए गन्ना उपज का लक्ष्य 70 टन प्रति हेक्टेयर तथा चीनी परता 10.45 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस वर्ष यूपी में सबसे अधिक 81 लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है जो कि महाराष्ट्र से भी अधिक है।

इस मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ. अश्विनी दत्त पाठक ने शुद्ध बीज गन्ना के उत्पादन तथा वितरण पर जानकारी दी। गन्ना शोध संस्थान शाहजहांपुर के निदेशक डॉ. बीएलशर्मा, संस्थान प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसएन सिंह व एके साह ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर 118 चीनी मिलों के प्रतिनिधि, जिलों के जिला गन्ना अधिकारी समेत 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

विशेषज्ञों की राय

- विकसित गन्ना किस्मों को अच्छा उत्पादन देने योग्य बनाया जाएगा
- गन्ना अनुसंधान संस्थान को ट्रेनिंग हब बनाने पर जोर

लखनऊ। मंगलवार • 7 फरवरी • 2017

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

किसानों की दोगुना आय में चीनी उद्योग की भूमिका अहम : डॉ. सोलोमन

आलमबाग-लखनऊ(एसएनबी)। रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के प्रांगण में सोमवार को गन्ना शोध विकास तथा चीनी मिलों की इंटरफेस मीटिंग व विचार-मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. सुशील सोलोमन ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के गन्ना एवं चीनी आयुक्त विपिन कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया। डॉ. सोलोमन ने संबोधित करते हुए कहा कि किसानों के आय को दोगुना करने में प्रदेश की गन्ना एवं चीनी उद्योग का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने ने कहा कि पिछले 4-5 वर्षों में प्रदेश में 6 टन प्रति हे. उपज में वृद्धि तथा एक प्रतिशत चीनी परता में वृद्धि दर्ज की गई है जो कि प्रशंसनीय है। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के 118 चीनी मिलों के प्रतिनिधि, अतिरिक्त गन्ना आयुक्त, संयुक्त गन्ना आयुक्त, उप गन्ना आयुक्त, विभिन्न जिलों के जिला गन्ना अधिकारी, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ तथा उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद्, शाहजहाँपुर के वैज्ञानिकगण ने भाग लिया तथा वर्तमान में उपलब्ध गन्ना उत्पादन तकनीकों, गन्ना खेती एवं चीनी उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा समस्याओं पर खुलकर विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर डॉ. सुशील सोलोमन की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा गया जो मुख्य रूप से प्रदेश में बीज गन्ना आपूर्ति हेतु विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श कर एक प्रभावी कार्य योजना तैयार करेगी।

गन्ना आयुक्त विपिन कुमार द्विवेदी ने अपने सम्बोधन में सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यक्रमों तथा 2016-17 के लिए निर्धारित लक्ष्य पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया 2016-17 के लिए गन्ना उपज का लक्ष्य 70 टन प्रति हे. तथा चीनी परता 10.45 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संस्थान के निदेशक डॉ. अश्विनी दत्त पाठक ने शुद्ध बीज गन्ना के उत्पादन तथा वितरण पर विशेष जोर दिया इसके लिए उन्होंने उचित बीज उपचार तकनीक अपनाने का आह्वाहन किया।

उन्होंने बीज उत्पादन कार्यक्रम को वृहत स्तर पर सफल बनाने के लिए राज्य सरकार से अपील किया कि इसके लिए हर चीनी मिल में गन्ना प्रजनक तथा पौध सुरक्षा विशेषज्ञ की नियुक्ति आवश्यक कर दिया जाए।

जनसंदेश टाइम्स लखनऊ, मंगलवार, 7 फरवरी, 2017

किसानों की आय बढ़ाने में गन्ना व चीनी उद्योग की अहम भूमिका

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में गन्ना शोध विकास तथा चीनी मिलों की इंटरफेस मीटिंग व विचार-मंथन कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ सोलोमन ने अपने उद्बोधन में किसानों की आय को दोगुना करने में प्रदेश की गन्ना एवं चीनी उद्योग के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर डॉ सुशील सोलोमन की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा गया जो मुख्य रूप से प्रदेश में बीज गन्ना आपूर्ति हेतु विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श कर एक प्रभावी कार्य योजना तैयार करेगी। डॉ सोलोमन ने पिछले वर्ष की उपलब्धि (65 टन/हे. गन्ना उपज तथा 10.61 प्रतिशत चीनी परता) के लिए उद्योग से जुड़े सभी संस्थानों, विभागों, चीनी मिलों तथा किसानों को बधाई दिया। पिछले 4-5 वर्षों में प्रदेश में 6 टन/हे. उपज में वृद्धि तथा एक प्रतिशत चीनी परता में वृद्धि दर्ज की गई है जो कि प्रशंसनीय है। मुख्य अतिथि ने प्रधानमंत्री द्वारा अपेक्षित वर्ष 2020 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दिशा में गन्ना एवं चीनी उद्योग महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इसके लिए हमारे समक्ष कुछ विचारणीय मुद्दा है। इनमें से प्रमुख है-विकसित गन्ना किस्मों का लम्बे समय तक खेतों में अच्छा उत्पादन देने योग्य बनाना, पेड़ी गन्ना उत्पादन में सुधार लाना, गन्ने के साथ सहफसल को बढ़ावा देना, वृहत स्तर पर बीज उत्पादन कार्यक्रम का संचालन, पुरानी व संस्तुति से बाहर किये गये किस्मों की खेती पर रोक इत्यादि पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने गन्ना आयुक्त से अपील किया कि भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ को प्रदेश सरकार ट्रेनिंग-हब के रूप में लें तथा यहां पर राज्य के गन्ना विकास से जुड़े अधिकारियों तथा कर्मचारियों व किसानों को प्रशिक्षण हेतु बड़ी संख्या में भेजें जिससे वे यहां की तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त कर अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाकर उसका लाभ लेने में सहयोग कर सकें।

गन्ना आयुक्त विपिन कुमार द्विवेदी ने अपने सम्बोधन में सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यक्रमों तथा

● गन्ना शोध विकास तथा चीनी मिलों की इंटरफेस मीटिंग व विचार-मंथन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कही बात

2016-17 के लिए निर्धारित लक्ष्य पर विचार रखे। उन्होंने बताया 2016-17 के लिए गन्ना उपज का लक्ष्य 70 टन/हे. तथा चीनी परता 10.45 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जैसे वसंतकालीन गन्ने की 50 प्रतिशत बुवाई नाली विधि द्वारा, आने वाले वर्षों में 100 प्रतिशत शरदकालीन गन्ने के साथ सहफसली का लक्ष्य, 2.25 लाख कुन्तल प्रजनक बीज उत्पादन, 820 गन्ना बीज ग्राम स्थापित करना, 40 आदर्श गन्ना किस्म का चुनाव, चीनी मिलों में किसान मित्र क्लब बनाना आदि प्रमुख हैं। उन्होंने ये भी बताया कि इस वर्ष पूरे में सबसे अधिक 81 लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है जो महाराष्ट्र से भी अधिक है। गन्ना आयुक्त ने वर्तमान पेराई सत्र में 12.00 से अधिक चीनी परता पर प्रदेश के लगभग 8-10 चीनी मिलों को बधाई दिया। उन्होंने इन चीनी मिलों के प्रबंधकों को उच्चतम चीनी परता प्राप्त करने हेतु किए जा रहे विभिन्न प्रयासों पर प्रस्तुतिकरण करवाया।

संस्थान के निदेशक डॉ अश्विनी दत्त पाठक ने शुद्ध बीज गन्ना के उत्पादन तथा वितरण पर विशेष जोर दिया इसके लिए उन्होंने उचित बीज उपचार तकनीक अपनाने का आवाहन किया। उन्होंने गन्ना बीज उत्पादन में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण को आवश्यक बताया तथा इस दिशा में बिसवां चीनी मिल, सीतापुर में संस्थान द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम पर जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 3 वर्षों में 7 उन्नत गन्ना किस्मों का लगभग 26 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2600 टन गन्ना बीज उत्पादन कराया गया साथ ही चीनी मिल के सहयोग से विभिन्न प्रसार कार्यक्रम चलाया गया जिसके परिणाम स्वरूप पिछले वर्ष 2015-16 में बिसवां चीनी मिल ने रिकार्ड 12.40 प्रतिशत का चीनी परता प्राप्त किया जो प्रदेश में एक इतिहास है। उन्होंने बीज उत्पादन कार्यक्रम को वृहत स्तर पर सफल बनाने के लिए राज्य सरकार से अपील किया कि इसके लिए हर चीनी मिल में गन्ना प्रजनक तथा पौध सुरक्षा विशेषज्ञ की नियुक्ति आवश्यक कर दिया जाए। कार्य.

लखनऊ, मंगलवार 07 फरवरी 2017

राष्ट्रीय स्वरूप

किसानों के आय दोगुना करने में गन्ना व चीनी उद्योग की अहम् भूमिका : डॉ. सोलोमन

स्वरूप संवाददाता

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में गन्ना शोध विकास तथा चीनी मिलों की इंटरफेस मीटिंग व विचार-मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. सुशील सोलोमन मुख्य अतिथि थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के गन्ना एवं चीनी आयुक्त श्री विपिन कुमार द्विवेदी जी द्वारा किया गया। डॉ. सोलोमन ने अपने उद्बोधन में किसानों के आय को दोगुना करने में प्रदेश की गन्ना एवं चीनी उद्योग के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। इस मीटिंग में उत्तर प्रदेश की 118 चीनी मिलों के प्रतिनिधि, अतिरिक्त गन्ना आयुक्त, संयुक्त गन्ना आयुक्त, उप गन्ना आयुक्त, विभिन्न जिलों के जिला गन्ना अधिकारी, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ तथा उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद, शाहजहाँपुर के वैज्ञानिकगण ने भाग लिया तथा वर्तमान में उपलब्ध गन्ना उत्पादन तकनीकों, गन्ना खेती एवं चीनी उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा समस्याओं पर खुलकर विचार विमर्श किया गया। लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लेकर प्रदेश में गन्ना एवं चीनी उद्योग की दशा एवं दिशा को प्रगति के मार्ग पर ले जाने के लिए विचार मंथन किया। इस अवसर पर डॉ. सुशील सोलोमन की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा गया जो मुख्य रूप से प्रदेश में बीज गन्ना आपूर्ति हेतु विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श कर एक प्रभावी कार्य योजना तैयार करेगी। मुख्य अतिथि डॉ. सोलोमन ने पिछले वर्ष की उपलब्धि (65 टन/हे. गन्ना उपज तथा 10.61 प्रतिशत चीनी परता) के लिए उद्योग से जुड़े सभी संस्थानों, विभागों, चीनी मिलों तथा किसानों को बधाई दिया। पिछले 4-5 वर्षों में प्रदेश में 6 टन/हे. उपज में वृद्धि तथा एक प्रतिशत चीनी परता में वृद्धि दर्ज की गई है जो कि प्रशंसनीय है। मुख्य अतिथि महोदय ने प्रधानमंत्री द्वारा अपेक्षित वर्ष 2020 तक किसानों के आय को दोगुना करने के लक्ष्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दिशा में गन्ना एवं चीनी उद्योग एक महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इसके लिए हमारे समक्ष कुछ विचारणीय मुद्दे हैं। इनमें से प्रमुख हैं - विकसित गन्ना किस्मों का लम्बे समय तक (10-15 वर्ष) खेती में लाभप्रद उत्पादन देने योग्य बनाना, पेड़ी गन्ना उत्पादन में सुधार लाना, गन्ने के साथ सहफसल को बढ़ावा देना, वृहत स्तर पर बीज उत्पादन कार्यक्रम का संचालन, पुरानी व संस्तुति से बाहर किये गये किस्मों की खेती पर रोक इत्यादि पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने गन्ना आयुक्त से अपील किया कि भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ को प्रदेश सरकार "ट्रेनिंग-हब" के रूप में लें तथा यहाँ पर राज्य के गन्ना विकास से जुड़े अधिकारियों तथा कर्मचारियों एवं किसानों को प्रशिक्षण हेतु बड़ी संख्या में भेजें जिससे नये तकनीकों के बारे में जानकारी पूरी तरह अधिक से अधिक किसानों तक पहुँचाकर उसका लाभ लेने में सहयोग कर सकें। गन्ना आयुक्त विपिन कुमार द्विवेदी जी ने अपने सम्बोधन में सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यक्रमों तथा 2016-17 के लिए निर्धारित लक्ष्य पर अपने विचार रखे।

उन्होंने बताया 2016-17 के लिए गन्ना उपज का लक्ष्य 70 टन/हे. तथा चीनी परता 10.45 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जैसे बसंतकालीन गन्ने की 50 प्रतिशत बुवाई नाली विधि द्वारा, आने वाले वर्षों में 100 प्रतिशत शरदकालीन गन्ने के साथ सहफसली का लक्ष्य, 2.25 लाख कुन्तल प्रजनक बीज उत्पादन, 820 गन्ना बीज ग्राम स्थापित करना, 40 आदर्श गन्ना किस्म का चुनाव, चीनी मिलों में किसान मित्र क्लब बनाना आदि प्रमुख हैं। उन्होंने ये भी बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 81 लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है जो कि महाराष्ट्र से भी अधिक है। गन्ना आयुक्त महोदय ने वर्तमान पेराई सत्र में 12.00 से अधिक चीनी परता पर प्रदेश के लगभग 8-10 चीनी मिलों को बधाई दिया। तथा उन्होंने इन चीनी मिलों के प्रबंधकों को उच्चतम चीनी परता प्राप्त करने हेतु किए जा रहे विभिन्न प्रयासों पर प्रस्तुतिकरण करवाया। संस्थान के निदेशक डॉ. अश्विनी दत्त पाठक ने शुद्ध बीज गन्ना के उत्पादन तथा वितरण पर विशेष जोर दिया इसके लिए उन्होंने उचित बीज उपचार तकनीकी अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने गन्ना बीज उत्पादन में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण को आवश्यक बताया तथा इस दिशा में बिसवाँ चीनी मिल, सीतापुर में संस्थान द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम पर जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 3 वर्षों में 7 उन्नत गन्ना किस्मों का लगभग 26 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2600 टन गन्ना बीज उत्पादन कराया गया साथ ही चीनी मिल के सहयोग से विभिन्न प्रसार कार्यक्रम चलाया गया जिसके परिणाम स्वरूप पिछले वर्ष 2015-16 में बिसवाँ चीनी मिल ने रिकार्ड 12.40 प्रतिशत का चीनी परता प्राप्त किया जो कि प्रदेश में एक इतिहास है। उन्होंने बीज उत्पादन कार्यक्रम को वृहत स्तर पर सफल बनाने के लिए राज्य सरकार से अपील किया कि इसके लिए हर चीनी मिल में गन्ना प्रजनक तथा पौध सुरक्षा विशेषज्ञ की नियुक्ति आवश्यक कर दिया जाए। गन्ना शोध संस्थान शाहजहाँपुर के निदेशक डॉ. बी.एल. शर्मा ने संस्थान द्वारा चलाए जा रहे गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम का विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत किए तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी एक किस्म के अन्तर्गत ज्यादा क्षेत्रफल न करते हुए कई किस्मों को एक साथ लेकर बीज सम्वर्धन किया जाए। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने उन्नत गन्ना मशीन, जैविक विधि द्वारा नाशी कीट प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन विषयों पर तकनीकी जानकारी अपने वार्ता द्वारा प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. सिंह ने किया।

प्रभात
लखनऊ, मंगलवार, 07 फरवरी 2017

किसानों की आय बढ़ाने में गन्ना एवं चीनी उद्योग की अहम भूमिका : डॉ. सोलोमन

लखनऊ। प्रभात

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में गन्ना शोध विकास तथा चीनी मिलों की इंटरफेस मीटिंग व विचार-मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. सुशील सोलोमन मुख्य अतिथि थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के गन्ना एवं चीनी आयुक्त विपिन कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया।

डॉ. सोलोमन ने अपने उद्बोधन में किसानों के आय को दोगुना करने में प्रदेश की गन्ना एवं चीनी उद्योग के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। इस मीटिंग में उत्तर प्रदेश के 118 चीनी मिलों के प्रतिनिधि, अतिरिक्त गन्ना आयुक्त, संयुक्त गन्ना आयुक्त, उप गन्ना आयुक्त, विभिन्न जिलों के जिला गन्ना अधिकारी, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ तथा उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद्, शाहजहाँपुर के वैज्ञानिकगण ने भाग लिया तथा वर्तमान में उपलब्ध गन्ना उत्पादन तकनीकों, गन्ना खेती एवं चीनी उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा समस्याओं पर खुलकर विचार विमर्श किया गया।

बीज गन्ना आपूर्ति हेतु विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श कर एक प्रभावी कार्य योजना तैयार होगी

लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लेकर प्रदेश में गन्ना एवं चीनी उद्योग की दशा एवं दिशा को प्रगति के मार्ग पर ले जाने के लिए विचार मंथन किया। इस अवसर पर डॉ. सुशील सोलोमन की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा गया जो मुख्य रूप से प्रदेश में बीज गन्ना आपूर्ति हेतु विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श कर एक प्रभावी कार्य योजना तैयार करेगी।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने उन्नत गन्ना मशीन, जैविक विधि द्वारा नाशी कीट प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन विषयों पर तकनीकी जानकारी अपने वार्ता द्वारा प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. सिंह ने किया।